NEXT IAS

दैनिक संपादकीय विश्लेषण

विषय

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (PMIS): डिज़ाइन और क्रियान्वयन के बिना विस्तार

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (PMIS): डिज़ाइन और क्रियान्वयन के बिना विस्तार

संदर्भ

- प्रारंभिक पायलट आँकड़े दर्शाते हैं कि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (PMIS) के डिज़ाइन, माँग और क्रियान्वयन के बीच एक अंतर और संरचनात्मक असंगतियाँ विद्यमान हैं।

पीएम इंटर्नशिप योजना (PMIS) का अवलोकन	
घोषणा	• केंद्रीय बजट 2024-25
संगठन	• कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय
उद्देश्य	• शीर्ष कंपनियों में रोजगार तलाशने वालों को वास्तविक कार्य अनुभव प्रदान करना
पदों की संख्या	• 500 टॉप कंपनियों में 1,25,000 पद
पात्रता मापदंड	• **ITI:** मैट्रिकुलेशन + संबंधित ट्रेड में ITI • **डिप्लोमा:** इंटरमीडिएट + AICTE से मान्यता प्राप्त डिप्लोमा • **डिग्री:** UGC/AICTE से मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से बैचलर डिग्री
बहिष्करण	• **आईआईटी, आईआईएम, एनएलयू, आईआईएसईआर, एनआईडी और आईआईआईटी** से स्नातक, तथा **सीए, सीएमए, सीएस, एमबीबीएस, बीडीएस, एमबीए, किसी भी मास्टर या उच्चतर डिग्री** जैसी योग्यताएँ रखने वाले। • वे व्यक्ति जो **केंद्रीय सरकार या राज्य सरकार की योजनाओं** के अंतर्गत किसी कौशल, अप्रेंटिसशिप, इंटर्नशिप या छात्र प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे हों। • वे व्यक्ति जिन्होंने किसी भी समय **राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण योजना (NATS)** या **राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना (NAPS)** के अंतर्गत अप्रेंटिसशिप या प्रशिक्षण पूरा किया हो। • यदि उम्मीदवार के परिवार के किसी भी सदस्य की **वार्षिक आय ₹8 लाख से अधिक** है। • यदि परिवार का कोई सदस्य **स्थायी/नियमित सरकारी कर्मचारी** है।
लाभ	• **₹5,000 मासिक वजीफा** (₹4500 केंद्रीय सरकार द्वारा और ₹500 उद्योग द्वारा) • **₹6000 की एकमुश्त अनुदान राशि** आकस्मिक व्ययों के लिए • **वास्तविक कार्य अनुभव प्राप्त करना** • प्रत्येक इंटर्न के लिए बीमा कवरेज — **प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना** और **प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना** के अंतर्गत

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (PMIS) की प्रमुख विशेषताएँ

- **लक्षित समूह:** 21–24 वर्ष आयु के युवाओं के लिए खुला।
  - कम आय वाले परिवारों से आने वाले उम्मीदवारों पर विशेष ध्यान, समावेशिता और समान अवसर सुनिश्चित करना।

- **इंटर्नशिप अवधि:** प्रत्येक इंटर्नशिप 12 महीने की होती है, जिससे होस्ट संगठन के साथ सतत और सार्थक जुड़ाव मिलता है।
- **पैमाना और पहुँच:**
  - पायलट चरण (वित्त वर्ष 2024–25): 1.25 लाख इंटर्नशिप।
  - पाँच वर्षीय लक्ष्य: पूरे भारत में 1 करोड़ इंटर्नशिप।
- **उद्योग क्षेत्र:** इंटर्नशिप अवसर 24 प्रमुख क्षेत्रों में उपलब्ध हैं, जिनमें तेल और गैस, ऊर्जा, ऑटोमोबाइल, बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएँ, यात्रा तथा आतिथ्य, आईटी और विनिर्माण आदि शामिल हैं।
- **कंपनी चयन मानदंड:** भाग लेने वाली कंपनियाँ भारत की शीर्ष 500 फर्मों से ली जाती हैं (टियर-II और टियर-III शहरों के युवाओं पर विशेष बल), जिन्हें विगत तीन वर्षों में उनके कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) खर्च के आधार पर चुना जाता है।
  - यह सुनिश्चित करता है कि इंटर्नशिप नैतिक रूप से उत्तरदायी और सामाजिक रूप से प्रतिबद्ध संगठनों द्वारा प्रदान की जाए।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (PMIS) का महत्व

- **कौशल अंतर का समापन:** PMIS शिक्षा और उद्योग की आवश्यकताओं के बीच असंगति को दूर करता है।
  - यह युवाओं को व्यावहारिक वातावरण में सैद्धांतिक ज्ञान लागू करने की अनुमति देकर नौकरी की तैयारी, नवाचार और उद्यमशीलता क्षमता को बढ़ाता है।
- **आगामी पीढ़ी को सशक्त बनाना:** PMIS को राष्ट्र-निर्माण अभ्यास के रूप में डिजाइन किया गया है, क्योंकि इसका उद्देश्य एक कुशल, आत्मविश्वासी और भविष्य-तैयार कार्यबल बनाना है।
  - यह भारत की उस बड़ी दृष्टि का समर्थन करता है जिसमें भारत को कुशल प्रतिभा का वैश्विक केंद्र बनाना है और यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी युवा वित्तीय या सामाजिक बाधाओं के कारण पीछे न छूटे।

पायलट आँकड़ों से उजागर मुद्दे और चिंताएँ

- **भागीदारी की इच्छा में गिरावट:** उम्मीदवारों की स्वीकृति दर पहले (2024 के अंत) और दूसरे (2025 के मध्य) पायलट दौर के बीच 12.4% गिर गई, जबकि ऑफ़र की संख्या बढ़ी और 70 से अधिक नई कंपनियाँ जुड़ीं।
  - यह गिरावट बेहतर पहुँच, स्पष्ट रोजगार विवरण और बेहतर सूचना प्रसार के बावजूद हुई।
  - यह कार्यक्रम के प्रति बढ़ती जागरूकता लेकिन भागीदारी की घटती इच्छा को दर्शाता है, जो क्रियान्वयन में गंभीर मुद्दों की ओर संकेत करता है।
- **राज्य-स्तरीय असमान परिणाम:** पायलट आँकड़े क्षेत्रीय असमानताओं को दिखाते हैं—कुछ राज्यों में उच्च इंटर्नशिप ऑफ़र दर्ज हुए लेकिन भागीदारी दर कम रही।
  - यह दर्शाता है कि रुचि और उपलब्धता भागीदारी में परिवर्तित नहीं होती।
  - वास्तविक बाधा रूपांतरण में है, जो अवसर की कमी नहीं बल्कि योजना डिज़ाइन में खामियों को दर्शाता है।
- **इंटर्नशिप अवधि और संरेखण मुद्दे:** कई उम्मीदवारों को 12 महीने की अवधि के लिए प्रतिबद्ध होना कठिन लगता है, विशेषकर जब वजीफा मामूली हो और नियुक्तियाँ घर से दूर हों।
  - इसके अतिरिक्त, उम्मीदवारों की शैक्षणिक पृष्ठभूमि और उपलब्ध इंटर्नशिप भूमिकाओं के बीच सीमित संरेखण ने रुचि एवं जुड़ाव को कम किया है।

- **छोटे शहरों के युवाओं के लिए अवसर लागत:** छोटे शहरों से आने वाले प्रतिभागियों के लिए स्थानांतरण लागत और स्थानीय रोजगार अवसरों की हानि वास्तविक बाधाएँ हैं।
  - आर्थिक समझौता भागीदारी को आकर्षक नहीं बनाता, भले ही इंटर्नशिप अनुभव और अवसर का वादा करे।
- **अस्पष्ट रोजगार मार्ग:** सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह रोजगार की गारंटी नहीं देती, जबकि PMIS को कौशल और अनुभव पहल के रूप में प्रस्तुत किया गया है।
  - ऐसे श्रम बाजार में जहाँ युवा बेरोजगारी उच्च बनी हुई है, यह अनिश्चितता आकर्षण को कम करती है।
  - हालाँकि कंपनियाँ इंटर्नशिप के बाद अपने विवेक से रोजगार दे सकती हैं, लेकिन संरचित रोजगार परिणामों की अनुपस्थिति प्रेरणा को सीमित करती है।
- **वित्तीय अपर्याप्तता:** बजटीय प्रवृति क्रियान्वयन अंतर को सुदृढ़ करते हैं।
  - वित्त वर्ष 2024–25 में PMIS के लिए ₹2,000 करोड़ आवंटित किए गए थे (बजट अनुमान), जिसे घटाकर ₹380 करोड़ कर दिया गया।
  - इतनी कम धनराशि का उपयोग कमजोर अवशोषण और बुनियादी स्तर पर कमजोर क्रियान्वयन को दर्शाता है।
  - योजना पर्याप्त वित्तीय समर्थन के बावजूद राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार के लिए आवश्यक गति हासिल करने में विफल रही है।

आगे की राह: विस्तार से पहले पुनः समायोजन

- PMIS कौशल-रोजगार अंतर को समाप्त करने के लिए महत्वपूर्ण क्षमता वाला एक आशाजनक विचार बना हुआ है।
  - हालाँकि, पैमाना सार्थकता का विकल्प नहीं हो सकता।
- राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने से पहले सरकार को कार्यक्रम को पुनः समायोजित करना चाहिए:
  - इंटर्नशिप अवधि को छोटा करना ताकि इसे अधिक व्यवहार्य बनाया जा सके।
  - भूमिकाओं को उम्मीदवारों के कौशल और रुचियों के साथ अधिक निकटता से संरेखित करना।
  - स्थानांतरण बाधाओं को कम करने के लिए स्थानीय या हाइब्रिड नियुक्तियों को प्रोत्साहित करना।
  - रोजगार के लिए स्पष्ट मार्गों को एकीकृत करना, भले ही संभाव्य हों।
- ये समायोजन PMIS को एक प्रतीकात्मक पहल से एक वास्तविक रूप से परिवर्तनकारी युवा-कौशल मंच में बदल सकते हैं।

नीतिगत सिफारिश

- वित्त पर संसदीय स्थायी समिति की हालिया रिपोर्ट ने योजना के स्वतंत्र और आवधिक मूल्यांकन का आह्वान किया।
- इसने विशेष रूप से हाशिए पर और आर्थिक रूप से कमजोर उम्मीदवारों के लिए पात्रता मानदंडों को शिथिल करने की सिफारिश की तथा इंटर्नशिप-से-रोजगार रूपांतरणों की सुदृढ़ ट्रैकिंग को एक प्रमुख सफलता मीट्रिक के रूप में रेखांकित किया।
- इसने छोटे और मध्यम उद्यमों (SMEs) के साथ अधिक जुड़ाव का आग्रह किया, जो वर्तमान में योजना में कम प्रतिनिधित्व रखते हैं।

Source: BS

दैनिक मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (PMIS) किस सीमा तक अपने महत्वाकांक्षी पैमाने और क्रियान्वयन की व्यावहारिक चुनौतियों के बीच असंगति को दर्शाती है, तथा इस अंतर को समाप्त करने के लिए नीति-निर्माण को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है?